जिला स्तरीय कार्यशाला-सांभर

सांभर लेक के निरंतर हो रहे जैविक क्षरण को दृष्टिगत रखते हुए सांभर लेक को बायोहेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने हेतु यह आवश्यक था कि सांभर लेक से संबंधित स्थानीय निकायों को इस क्षेत्र में जागरूक किया जाए एवं जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाये। इस हेतु दिनांक 24.02.2016 को राजकीय शाकम्भर महाविद्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें गठित जैव विविधता प्रबंध समितियों के अध्यक्ष, सदस्य सचिव एवं कार्यकारिणी के सदस्यों के अतिरिक्त जन प्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणों द्वारा भाग लिया गया।

इस कार्यशाला में बोर्ड एवं महाविद्यालय के विषय विशेषज्ञों द्वारा सांभर लेक की जैव विविधता के महत्त्व, जैव विविधता पर होने वाले संभावित खतरे, जैव विविधता के संरक्षण में ग्रामीणों की भागीदारी आदि पर प्रकाश डाला।

इसके उपरान्त द्वितीय सत्र में माननीय राजकुमार रिणवां, वन एवं पर्यावरण मंत्री, बोर्ड के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा उपस्थित जन समुदाय को जैव विविधता संरक्षण संवर्धन एवं महत्त्व के बारे में जानकारी दी एवं जैव विविधता संरक्षण हेतु जुड़ने की शपथ दिलाई।

Scanned by CamScanner

इस अवसर पर सांभर झील की जैव विविधता से संबंधित एक पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस पोस्टर में सांभर झील की जैव विविधता की जानकारी एवं जैव विविधता पर प्रभावित खतरे के बारे में बतलाया गया है।

Scanned by CamScanner